

CERTIFICATE IN SHOE UPPER CUTTING

00165

Term-End Examination

June, 2014

OET-011 : BASICS OF SHOE UPPER CUTTING

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : All questions are compulsory.

1. Fill in the blanks :

10×2=20

- (i) The human foot consists of _____ number of bones.
- (ii) Toe bones are known as _____ .
- (iii) Rigid and curved portion under the foot is known as _____ .
- (iv) The length of a shoe varies due to volume of the foot and _____ of the shoe.
- (v) The size to size difference in English sizing system is _____ of an inch.
- (vi) French size scale is based on _____ .
- (vii) The upper component of the shoe which covers the front part of the foot is known as _____ .

- (viii) A strip of metal or wood to reinforce the shoe to carry body weight is known as _____ .
- (ix) The shoe-making operation where the upper is drawn over tightly to get the shape is known as _____ .
- (x) The softness of the upper leather is achieved by _____ tanning.

2. Write short notes on any *two* of the following : 2×5=10
- (a) Ligaments of foot
 - (b) French sizing system
 - (c) Basic designs of shoe
 - (d) Closing of upper
 - (e) Grain layer of leather
3. Draw a skeletal diagram of human foot and label the different bones. 10
4. Explain in brief about the shoe-making process with step-by-step major operations with the help of a flow chart. 10
5. Describe tanning and its objectives in brief. What are the various tanning processes used for leather ? 10
6. Describe in detail about the structure of hides and skin. 10

7. Write in detail about the following weaving processes : *2×5=10*
- (a) Plain weave
 - (b) Twill weave
8. Discuss in detail the properties of synthetic shoe-making material used for upper. *10*
9. What is the importance of sorting of leather ? How does leather sorting determine the efficiency of cutter and the cost of a shoe ? *10*
-

जूते की अपर की कटिंग में प्रमाण-पत्र
सत्रांत परीक्षा
जून, 2014

ओ.ई.टी.-011 : जूते के अपर को काटने का प्रक्रम

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. रिक्त स्थान भरिए : 10×2=20
- (i) मानव के पैर में हड्डियों की संख्या _____ होती है ।
- (ii) पादांगुलि की हड्डियाँ _____ कहलाती हैं ।
- (iii) पैर के नीचे का कड़ा और घुमावदार भाग _____ कहलाता है ।
- (iv) पैर के माप (वौल्यूम) और जूते के _____ के अनुसार जूते की लंबाई में अंतर होता है ।
- (v) इंग्लिश साइजिंग सिस्टम में जूते के एक साइज़ से दूसरे साइज़ में अंतर _____ इंच होता है ।
- (vi) फ्रैंच साइज़ स्केल _____ पर आधारित है ।
- (vii) पैर के अगले भाग को ढकने वाला जूते का अपर कम्पोनेंट _____ कहलाता है ।

- (viii) धातु या लकड़ी की स्ट्रिप जो जूते को शरीर का भार वहन करने के लिए मज़बूती प्रदान करती है _____ कहलाती है ।
- (ix) जूता बनाने की प्रक्रिया जिसमें अपर को आकार देने के लिए कसा जाता है _____ कहलाती है ।
- (x) अपर चमड़े की कोमलता _____ टैनिंग द्वारा प्राप्त होती है ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

- (अ) पैर में लिगामेंट्स
 (ब) फ्रैंच साइजिंग सिस्टम
 (स) जूते के बेसिक डिज़ाइन
 (द) अपर की क्लोज़िंग
 (य) चमड़े की ग्रेन लेयर

3. मानव पैर के कंकाल का चित्र बनाइए और इसकी विभिन्न हड्डियों के नाम लिखिए । 10

4. जूते बनाने की प्रक्रिया की प्रमुख चरणबद्ध प्रचालनों सहित फ्लो चार्ट की सहायता से संक्षेप में व्याख्या कीजिए । 10

5. टैनिंग और उसके उद्देश्यों का संक्षेप में वर्णन कीजिए । चमड़े के लिए प्रयुक्त होने वाले विभिन्न टैनिंग प्रक्रम कौन-से हैं ? 10

6. हाइड्रस और स्किन की संरचना का विस्तार से वर्णन कीजिए । 10
7. निम्नलिखित वीविंग (कटाई) प्रक्रमों के बारे में विस्तार से लिखिए : 2×5=10
(अ) प्लेन वीव
(ब) टिवल वीव
8. जूते का अपर बनाने के लिए प्रयुक्त होने वाली सिंथेटिक सामग्री की विशेषताओं की विस्तार से चर्चा कीजिए । 10
9. लैदर की सोर्टिंग का महत्त्व बताइए । लैदर सोर्टिंग किस प्रकार कटर की सक्षमता और जूते की लागत का निर्धारण करती है ? 10
-